नामांक Roll No.

No. of Questions – **28**

No. of Printed Pages – **8**

SS-01-Hindi (C)

हिन्दी (अनिवार्य)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2021

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

(6) प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार है :

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंकभार
खण्ड-अ (A)	1 (i से x), 2 से 11 = 20	1	20
खण्ड-ब (B)	12 से 18 = 7	2	14
खण्ड-स (C)	19 से 22 = 4	4	16
खण्ड-द (D)	23 से 24 = 2	5	10
खण्ड-य (E)	25 से 28 = 4	5	20

OFFICE COPY

खण्ड – अ

1. नीचे दिये गए बहुविकल्पी प्रश्नों में से सही विकल्प का चयन कर, उत्तर दी गई, उत्तर–पुस्तिका में लिखें :

(i) भाषा के कितनें प्रकार होते हैं ?

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

(ii) देवनागरी किस भाषा की लिपि नहीं है ?

(अ) संस्कृत (ब) हिंदी

(स) मराठी (द) पंजाबी

(iii) 'तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।' पंक्ति में अलंकार है –

(अ) यमक (ब) श्लेष

(स) अनुप्रास (द) उपमा

(iv) उपमा अलंकार के अंग हैं –

(अ) चार (ब) दो

(स) एक (द) तीन

(v) Job शब्द का हिंदी अर्थ है

(अ) कार्यग्रहण (ब) संयुक्त

(स) प्रतिवेदन (द) कार्य

(vi) Committee शब्द का हिंदी अर्थ है

(अ) आयोग (ब) स्थिति

(स) समिति (द) पुष्टि

(vii) भूषण की कविता का मुख्य रस है

(अ) वीर रस (ब) शांत रस

(स) करुण रस (द) शृंगार रस

OFFICE COPY

(viii) बाज़ार का जादू किस पर नहीं चल सकता ? 1

(अ) लेखक के मित्र पर (ब) चूरनवाले भगत जी पर

(स) लेखक के मित्र की पत्नी पर (द) लेखक पर

(ix) समाचार की शुरुआत जिन पंक्तियों से होती है, वह कहलाता है 1

(अ) बॉडी (ब) समापन

(स) कॉलम (द) इंट्रो

(x) संपादकीय लेखन में पाठक का ध्यान आकर्षित करने के लिए सर्वप्रथम कारगर साबित होता है 1

(अ) विषय का चयन (ब) शीर्षक

(स) निष्कर्ष (द) विषय प्रवेश

2 – 5 : निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कला क्या है ? मानव मस्तिष्क का सौंदर्य विषयक विशेषताओं को प्रकट करना कला है । विभिन्न मानवीय भावनाएँ रस मानी जाती हैं । कला मानव की भावनाओं को स्वाभाविक रूप से प्रकट करती है । वह अपनी भावनाओं को गायन, नृत्य, रेखाचित्र, अभिनय एवं मूर्तिकला के माध्यम से व्यक्त करती है । भारत में निष्पादित कलाओं के सर्वत्र व्याप्त विभिन्न पहलू असंख्य पर्वों, समारोह में रंग एवं आनंद भर देते हैं और लोगों में अपनी विरासत के प्रति विश्वास की अनुभूति होती है । ये पहलू प्राचीन परंपराओं की सतत् निरंतरता को बनाए रखने के प्रति उत्तरदायी रहे हैं । ये अतीत एवं वर्तमान के मध्य जुड़ाव की कड़ी हैं । भारतीय राजाओं एवं शासकों ने कुशल नर्तकों, गायकों, नाट्य कलाकारों को संरक्षण देकर प्रस्तुति कलाओं को आगे बढ़ाया । भारत की सबसे प्राचीन लोकप्रिय कला संगीत कला रही है । संगीत का प्रारंभ सिंधु सरस्वती सभ्यता में हुआ, जहाँ से नृत्य कला की मुद्रा में एक कांस्य मूर्ति प्राप्त हुई । वैदिक युग में संगीत ने समाज में स्थान बना लिया ।

OFFICE COPY

2. कला क्या है ? 1

3. मानव अपनी भावनाओं को कैसे प्रकट करता है ? 1

4. अतीत एवं वर्तमान के मध्य जुड़ाव की कड़ी क्या है ? 1

5. भारत की सबसे प्राचीन लोकप्रिय कला कौन सी है ? 1

6 – 9 : निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्राचीन भारतवर्ष में नक्षत्र विज्ञान के क्षेत्र में बहुत उन्नति हुई । नक्षत्रों की गतियों पर बल देकर उनका सूक्ष्म निरीक्षण किया गया । ज्योतिष्य वेदांग ने नक्षत्र विज्ञान को सुव्यवस्थित दिशा दी । भारत के वैज्ञानिक मनीषी आर्यभट्ट ने आर्यभट्टीय ग्रंथ की रचना की, जिसमें 121 श्लोक हैं । उनमें खगोल विषयक परिभाषाएँ, नक्षत्रों की सही स्थिति को पहचानने के विभिन्न तरीके, सूर्य एवं चन्द्रमा की गतियों का वर्णन और सूर्य एवं चन्द्रग्रहण के कारणों व स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है कि पृथ्वी गोलाकार है और अपनी धुरी पर घूमती है । जब पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है, तब चन्द्रग्रहण होता है और जब चंद्रमा की छाया पृथ्वी पर पड़ती है तब सूर्यग्रहण होता है । प्राचीन भारतवर्ष में ग्रह व नक्षत्रों के आधार पर ज्योतिष्य व जन्मपत्रियों का अध्ययन किया जाता था ।

ऋग्वेद में एक मंत्र में जानकारी मिलती है कि पृथ्वी गोल है तथा सूर्य के आकर्षण पर ठहरी है । भास्कराचार्य ने पृथ्वी के गोल एवं चुम्बकीय शक्ति की जानकारी दी है । ऐतरेय व गोपथ ब्राह्मण में लिखा है कि न सूर्य कभी अस्त होता है, न उदय होता है, वह सदैव बना रहता है । पृथ्वी से छिप जाता है, तो रात्रि हो जाती है जब पृथ्वी से आड़ समाप्त हो जाती है, तब दिन होता है ।

OFFICE COPY

6. नक्षत्र विज्ञान को सुव्यवस्थित दिशा किसने दी ? 1

7. ऐतरेय एवं गोपथ ब्राह्मण में सूर्य के बारे में क्या लिखा है ? 1

8. चन्द्रग्रहण कब होता है ? 1

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर प्रश्न–9 का उत्तर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

9. प्राचीन भारतवर्ष में ग्रह व नक्षत्रों के आधार पर ________ का अध्ययन किया जाता था । 1

10. गौरा गाय के बछड़े का क्या नाम था ?

11. गोविंद गुरु ने कौन से सामाजिक संगठन की स्थापना की ?

खण्ड – ब

12. भय के दोनों रूपों के बारे में लिखिए । 2

13. लेखक को 'ठेले पर हिमालय' शीर्षक कैसे सूझा ? 2

14. कृष्ण से बातों के लालच में गोपियाँ क्या करती हैं ? 2

15. कवि शमसेर ने भोर के नभ की तुलना किन–किन उपमानों से की है ? 2

16. 'गौरा' की सुंदरता का परिचय लिखिए । 2

17. 'उसने कहा था' कहानी के शीर्षक की सार्थकता बताइये । 2

18. साक्षात्कार लेने वाले के प्रमुख गुण बताइये । 2

OFFICE COPY

खण्ड – स

19. डायरी लेखन की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 4

अथवा

रिपोर्ताज की परिभाषा लिखते हुए, इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

20. पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों का सामान्य परिचय लिखिए । 4

अथवा

फिल्मी पत्रकारिता पर लेख लिखिए ।

[Turn over

21. अधीक्षक, उद्यान विभाग, जैसलमेर की तरफ से चालक पद हेतु विज्ञप्ति लिखिए । 4

अथवा

स्वयं को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, नीमच मानते हुए कार्यालय उपयोग हेतु कोरोना से बचाव की सामग्री खरीदने के लिए एक निविदा लिखिए ।

22. जैनेन्द्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए । 4

अथवा

कवि रहीम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए ।

खण्ड – द

23. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

सूरज डूबने लगा और धीरे-धीरे ग्लेशियरों में पिघली केसर बहने लगी । बर्फ कमल के लाल फूलों में बदलने लगी, घाटियाँ गहरी पीली हो गईं । अँधेरा होने लगा तो हम उठे और हाथ मुँह धोने और चाय पीने में लगे । पर सब चुपचाप थे, गुमसुम जैसे सबका कुछ छिन गया हो, या शायद सबको कुछ ऐसा मिल गया हो जिसे अंदर ही अंदर सहेजने में सब आत्मलीन हों या अपने में डूब गए हों ।

अथवा

चूड़ामणि ने चुपचाप उसके प्रकोष्ठ में प्रवेश किया । शोण के प्रवाह में, उसके कल-नाद में अपना जीवन मिलाने में वह बेसुध थी । पिता का आना न जान सकी । चूड़ामणि व्यथित हो उठे । स्नेह-पालिता पुत्री के लिए क्या करें, यह स्थिर न कर सकते थे । लौटकर बाहर चले गये । ऐसा प्रायः होता, पर आज मंत्री के मन में बड़ी दुश्चिन्ता थी । पैर सीधे न पड़ते थे ।

OFFICE COPY

24. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

निर्गुन कौन देस को बासी ?
मधुकर ! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी ।।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी ?
कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी ।।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे ! कहैगो गाँसी ।
सुनत मौन ह्वै रह्यो ठग्यो सो सूर सबै मति नासी

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा-से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

खण्ड – य

25. 'तौलिये' एकांकी जीवन में फैल रहे आडम्बर को व्यक्त करती है। कथन की समीक्षा कीजिए। 5

OFFICE COPY

अथवा

निर्भय रहने के क्या उपाय हैं ? भय पाठ के आधार पर लिखिए।

अथवा

चूरन वाले भगत जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

26. भूषण द्वारा वर्णित शिवाजी की वीरता के प्रभाव को सोदाहरण बताइये। 5

अथवा

पठित दोहों के आधार पर बिहारी की सौंदर्य भावना को सोदाहरण लिखिए।

अथवा

पढ़े हुए दोहों के आधार पर रहीम की नीति भावना को सोदाहरण समझाइये।

[Turn over

27. 'गौरा' की मृत्यु के कारण और मृत्यु पूर्व की स्थिति का चित्रण कीजिए । 5

अथवा

'उसने कहा था' कहानी की नायिका सूबेदारनी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'बलवान से भिड़ंत' पाठ्यांश की मूल संवेदना का चित्रण कीजिए ।

28. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : 5

(अ) कोरोना महामारी : बचाव सबकी जिम्मेदारी

(ब) ऑनलाइन शिक्षा : संभावनाएँ और सीमाएँ

(स) मेरे विद्यालय का वार्षिकोत्सव

(द) अपना राजस्थान

OFFICE COPY

CONFIDENTIAL